SANJAY
STORE TEXTILES
Dara Market, Johari Bazar & Tonk Road, Paanch Batti JAIPUR
2570847

सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

If undelivered, Pl. return to
रमन अग्रवाल (संपादक)
हैल्थ व्यू : 170/3, रामगली, राजापार्क
जयपुर-302004
मो. 98290-66272
राष्ट्रस्तरीय पाक्षिक पत्रिका

HEALTH VIEW
हैल्थ व्यू
कैंसर एवं गंभीर बीमारियों की रोकथाम में प्रयासरत संस्थान

विशेष वार्षिक सदस्यता-500/-* सहयोग-2100*/- विशेष सहयोग 3100*/-

वर्ष 24 अंक 10 हिन्दी/अंग्रेजी पृष्ठ 4 प्रति-2 रु., जयपुर 04 जुलाई, 2025

चाय, नमकीन, सुपारी, मसाले, पाउडर इत्यादि की पैकिंग के लिए
ऑटोमेटिक पाउच पैकिंग मशीनें
सुरेंद्र कुमार एण्ड कंपनी
2368358, 2378231 मो. 9829013384
खंडेलवाल स्कूल बिल्डिंग, स्टेशन रोड, जयपुर

भारत में हृदयाघात :
'गोल्डन ऑवर' की अहमियत और समय पर इलाज की चुनौती

समय ही जीवन है
हार्ट अटैक के लक्षणों को हल्के में न लें और तुरंत विशेषज्ञ अस्पताल में पहुँचें। यही समय आपके जीवन का सबसे बड़ा फैसला हो सकता है।
संपर्क सूत्र : डॉ पीयूष जोशी
मो +919829025555

प्रियंका हॉस्पिटल एंड कार्डियक सेंटर में STEMI मरीजों के लिए डोर टू बैलून समय अंतराष्ट्रीय मापधण्डों से भी कम है, जो की रोगियों को प्रदान की जाने वाली देखभाल की दक्षता और गुणवत्ता का एक प्रमुख संकेतक है। डोर-टू-बैलून समय के कम होने का सीधा संदर्भ रिपरफ़्यूशन जल्दी होने से है, रिपेरफ्यूजन जितनी तेजी से होगा, हृदय की मांसपेशियों की क्षति को न्यूनतम करने और रोगी के परिणामों में सुधार की संभावना उतनी ही बेहतर होगी।

जयपुर। दिल का दौरा यानी हार्ट अटैक के बाद शुरुआती 60-90 मिनट को 'गोल्डन ऑवर' कहा जाता है। यही वह समय है जब मरीज को थ्रोम्बोलाइसिस या प्राइमरी एंजियोप्लास्टी (PCI) जैसी आधुनिक चिकित्सा देकर दिल की मांसपेशियों को बचाया जा सकता है।

लेकिन भारत में केवल 25त्न मरीजों को ही समय पर थ्रोम्बोलाइटिक दवाएं मिल पाती हैं, और महज 5त्न को ही एंजियोप्लास्टी का लाभ मिल पाता है। अधिकतर मरीज 8-12 घंटे बाद अस्पताल पहुँचते हैं, जब दिल को स्थायी क्षति हो चुकी होती है। उसके बाद यदि हॉस्पिटल में इलाज में विलंब तो मरीज की जान जोखिम में होना स्वाभाविक है।

प्रियंका हॉस्पिटल एंड कार्डियक सेंटर ने यह सिद्ध किया है कि समय पर और कुशल इलाज से जीवन बचाना संभव है। अस्पताल में ऐसे कई केस सामने आए हैं जहां मरीजों का इलाज 'गोल्डन ऑवर' के भीतर कर उन्हें मौत के मुंह से निकाला गया।

पहला मामला 28 वर्षीय युवक का था जो क्रॉनिक स्मोकर था। वह 3:02 पर सीने में भारीपन और दर्द की शिकायत लेकर अस्पताल आया। तुरंत ECG से MI की पुष्टि हुई। 3:21 पर स्टंट डालकर उसकी जान बचाई गई।

दूसरे केस में 72 वर्षीय डायबिटिक मरीज को 1 घंटे से चेस्ट पेन हो रहा था। वह 12:05 पर पहुँचे और 12:29 तक उनका स्टंट डाल इलाज कर दिया गया।

तीसरा केस 34 वर्षीय युवक का था जिसे 40 मिनट से सीने में दर्द था। वह 12:40 पर भर्ती हुआ और 1:05 पर सफल एंजियोप्लास्टी की गई। रैपिड एक्शन टीम की कमान संभालने वाले कप्तान डॉ पीयूष जोशी है।

इस सफलता के पीछे अस्पताल की तत्परता, आधुनिक कैथ लैब, अनुभवी डॉक्टर और समय की पहचान है। डॉ. पीयूष जोशी, जाने माने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जीएस शर्मा के सुपुत्र हैं और समर्पण के साथ हर मरीज का इलाज करते हैं।

नाक, कान, गला रोगों के उपचार में आने वाले दशक में संभावित अमूलचूल परिवर्तन

डॉ. सुधांशु अनंत पांडे, MS (ENT) द्वारा डॉक्टर्स डे पर विशेष टिप्पणी

आगामी दशक में नाक, कान और गले (ENT) रोगों के उपचार पद्धति में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिलेंगे। आधुनिक तकनीकों के आगमन ने ENT चिकित्सा को अत्यंत उन्नत बना दिया है।

वरिष्ठ ENT विशेषज्ञ डॉ. सुधांशु अनंत पांडे बताते हैं कि जैसे-जैसे मेडिकल साइंस प्रगति कर रहा है, वैसे-वैसे श्वहृञ्ज क्षेत्र में भी रोज़ नई तकनीकों और उपकरणों का समावेश हो रहा है। उन्होंने स्वयं को निरंतर अपडेट रखते हुए एंडोस्कोपिक सर्जरी, लेज़र थैरेपी, कॉकलियर इम्प्लांट्स और न्यूनतम इनवेसिव तकनीकों को अपनाया है, जिससे मरीजों को कम दर्द और तेजी से रिकवरी मिल रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग आधारित डायग्नोस्टिक सिस्टम, ENT रोगों की शीघ्र पहचान और व्यक्तिगत उपचार योजना बनाने में मददगार साबित हो रहे हैं। AI की सहायता से अब MRI/CT स्कैन की सटीक व्याख्या और पूर्वानुमान लगाना आसान हो गया है। आने वाले वर्षों में जीन थैरेपी, बायोइंजीनियरिंग, और रोबोटिक सर्जरी जैसे क्षेत्रों में भी प्रगति होने की संभावना है, जो ENT की जटिल बीमारियों में भी स्थायी समाधान देने में सक्षम होंगे। श्रवण यंत्र अब AI-सक्षम हो चुके हैं, जिससे बधिर मरीजों को अत्याधुनिक श्रवण अनुभव मिल रहा है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि, 'चिकित्सक को समय के साथ खुद को अपडेट करना जरूरी है। नई तकनीकों को अपनाकर हम मरीजों को बेहतर इलाज और बेहतर जीवन दे सकते हैं। इस तरह आने वाला दशक ENT चिकित्सा के लिए अत्यधिक संभावनाओं और उन्नति से भरपूर होगा।

डॉ सुधांशु अनंत पांडे
मो +91 79766 09972

DOCTORS : ARE YOU TAKING CARE OF YOURSELF?
You are your most valuable asset

writer : Dr Mahesh Poddar senior physician and leading motivator

Your health matters, too.

Doctors dedicate their lives to healing others — but often at the cost of their own health. In the midst of long hours, emergencies, and emotional demands, itÓs easy to forget that even caregivers need care.

Dear doctors, your dedication is deeply valued. But to continue serving others effectively, it is essential to prioritize your own physical **and mental wellbeing.**

Tips for a Healthier You

PHYSICAL HEALTH

Hydration : Drink enough water daily to support your bodyÓs systems.

E&ercise : Aim for vz® minutes of moderate or |z minutes of vigorous activity per week.

Balanced Diet : Eat plenty of fruits, vegetables, whole grains, lean proteins, and healthy fats.

Sleep : Get |-} hours of restful sleep each night.

MENTAL HEALTH

Manage Stress : Practice meditation, deep breathing, or yoga to stay grounded.

Take Breaks : Short, regular pauses can prevent burnout.

Seek Support : Talk to peers, friends, or a mental health professional when needed.

Self-Care : Engage in hobbies and activities that bring peace and joy.

Mind-Body Practices That Help

Mindfulness Meditation : Cultivates focus and emotional balance.

Hatha Yoga : Combines movement with breath control.

Yin Yoga : Deep, slow postures that calm the nervous system.

Remember, a healthy doctor provides better, more compassionate care.

Take care of yourself — not just for your patients, but for you. You are your most valuable asset

Dr mahesh Poddar
Mo. 9829065965

डॉक्टर्स डे की पूर्व संध्या पर 100 से अधिक चिकित्सकों को किया गया सम्मानित
हुआ भव्य समारोह

राजस्थान की चिकित्सा सेवा को समर्पित डॉक्टर्स डे की पूर्व संध्या पर प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम सोसाइटी द्वारा एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, झालाना में किया गया। इस प्रेरणादायक आयोजन में लगभग 1000 चिकित्सकों ने भाग लिया और समाज सेवा में अपने योगदान का गौरवपूर्ण अनुभव साझा किया।

समारोह के अध्यक्ष डॉ. नवनीत सक्सेना ने बताया कि यह समारोह चिकित्सकों के अथक परिश्रम, समर्पण और सेवाभाव को सम्मानित करने का एक प्रयास है।

कार्यक्रम में राजस्थान मेडिकल काउंसिल एवं जयपुर मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. जगदीश मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. राजवेंद्र सिंह चौधरी और डॉ. अरविंद अग्रवाल विशिष्ट अतिथि रहे।

वहीं, विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं में उत्कृष्टता के लिए 50 से अधिक चिकित्सकों को 'मास्टर अवार्ड', 60 से अधिक चिकित्सकों को 'लीडरशिप अवार्ड', और कई युवा डॉक्टरों को 'बडिंग स्टार अवार्ड' से नवाजा गया।

सम्मानित चिकित्सक
इस विशेष अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र में दीर्घकालिक सेवा और विशिष्ट योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किए गए।डॉ. महेश पोद्दार, डॉ. निर्मल कुमार जैन, डॉ. रेनू सहगल, डॉ. सुरेश सहगल एवं डॉ. विष्णुकांत पांडे।

आयोजन समिति

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. नवनीत सक्सेना (चेयरमैन), डॉ. नवनीत गुप्ता (ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी), डॉ. संजय मेंहदीरत्ता (अध्यक्ष), डॉ. राकेश कालरा (सेक्रेटरी), डॉ. दीपक भारद्वाज (कोषाध्यक्ष), डॉ. सुदीप जैन (उपाध्यक्ष) और डॉ. तरुण पाटनी (कन्वीनर) की अहम भूमिका रही।

मुख्य अतिथि डॉ. जगदीश मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 'एक डॉक्टर केवल शरीर का इलाज नहीं करता, वह समाज में विश्वास और उम्मीद का प्रतीक होता है।'

उन्होंने डॉक्टर्स डे को 'सम्मान और आत्ममंथन का पर्व' बताया। डॉ. एन.सी. पूनिया ने भी चिकित्सकों को सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने की प्रेरणा दी। उन्होंने क्षेत्र की भावी चुनौतियों और अवसरों पर अपने विचार रखे।

यह समारोह डॉक्टरों के योगदान को न केवल मान्यता देने वाला रहा, बल्कि समाज को यह संदेश देने वाला भी रहा कि चिकित्सक सिर्फ पेशेवर नहीं, बल्कि जीवनदाता होते हैं।

डॉक्टर्स डे का यह आयोजन न केवल सम्मान का प्रतीक बना, बल्कि चिकित्सा सेवा को समर्पित भावों भरा रहा। समान समारोह के अंत में म्यूजिकल प्रोग्राम के दौरान डॉक्टर ने भूली बिसरी यादें और संगीत सुनाया।

डॉक्टर दिवस पर डॉ. डी.के. कासलीवाल का संदेश
चिकित्सा एक सुनहरा पेशा है, पर इसमें समय और समर्पण की माँग अधिक

डॉ. कासलीवाल
मो 94140 43757

एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर के सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. डी.के. कासलीवाल ने डॉक्टर दिवस के अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र को एक ÷सुनहरा और सेवा भाव से भरा प्रोफेशन÷ बताया। उन्होंने कहा कि यह पेशा न केवल ज्ञान, दक्षता और संवेदनशीलता की माँग करता है, बल्कि इसमें करियर की शुरुआत में लंबा समय और तपस्या लगती है, जो इसे अन्य प्रोफेशनों से अलग बनाती है। डॉ. कासलीवाल, जो कि एसएमएस मेडिकल कॉलेज में वर्ष 1962 में एमबीबीएस में प्रवेश लेने वाले छात्रों में से एक हैं, ने कहा कि डॉक्टर बनने की यात्रा लंबी और चुनौतीपूर्ण होती है, जिसमें जीवन का एक बड़ा हिस्सा अध्ययन, इंटर्नशिप और प्रशिक्षण में गुजरता है।

उन्होंने चिंता जताई कि आजकल चिकित्सकों को चिकित्सा कार्य के साथ-साथ प्रशासनिक कार्यों में भी झोंका जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा– 'चिकित्सक को यदि उसकी रुचि के विपरीत प्रशासनिक कार्यों में लगाया जाएगा, तो उसकी दक्षता और सेवा की गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि डॉक्टरों को केवल चिकित्सा कार्यों में ही लगाए, ताकि वे मरीजों की सेवा में पूर्णतः समर्पित रह सकें।' यह संदेश विडंबना को भी सामने लाता है जिससे आज के डॉक्टर जूझ रहे हैं – जहां सेवा का भाव तो है, पर सुविधाएं और व्यावसायिक संतुलन की कमी है।

डॉक्टर्स के लिए योग है अति महत्वपूर्ण

डॉ अशोक गोयल
मो. +91 93145 02380

बनी पार्क हॉस्पिटल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ व फिजिशियन डॉ. अशोक गोयल ने डॉक्टर्स डे पर अपने साथियों को संदेश देते हुए कहा कि डॉक्टर्स की जिम्मेदारियां जहां दिन-रात मरीजों की सेवा और सतत मानसिक सक्रियता की मांग करती हैं, ऐसे में योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना डॉक्टरों के लिए अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

उन्होंने कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक तनाव को कम करने में भी बेहद प्रभावी है। डॉक्टरों की व्यस्त दिनचर्या में जब खुद के लिए समय निकालना मुश्किल होता है, तब योग एक ऐसा साधन है जो थोड़े से समय में भी गहरा सुकून और ऊर्जा प्रदान करता है।

NEURO CARE HOSPITAL
& Research Centre Pvt. Ltd
Dr. NEMI CHAND POONIA
DIRECTOR
(MBBS, MS, Mch Neuro surgery)
Vision of Excelence Mission to save Lives
न्यूरो एवं स्पाइन की विश्व स्तरीय अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा
न्यूरो एंडोस्कोपी द्वारा मस्तिष्क एवं स्पाइन के ऑपरेशन की सुविधा
14 बेड का गहन चिकित्सा इकाई, विश्व स्तरीय मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर
नसों के रास्ते दिमाग की जटिल बीमारियों का इलाज
राजस्थान में प्रथम न्यूरो नेविगेशन सिस्टम के द्वारा ऑपरेशन की सुविधा
1/611 Sector 1, Vidhyadhar Nagar Jaipur
PH: 0141-2236712, 9983300286

डॉक्टर्स - डे की हार्दिक शुभकामनाएं
Joyous Superspeciality Hospital
B-35, Saket Colony, Khadda Basti, Jaipur-4
Mo. 9351633420, 0141-6764475
Timing :
Morning : 9-10 AM
Evening : 5-7 PM
Dr. Aruna Kundra Bamaniya
MBBS, MS (Obs & Gyane)
Infertilty Specialist &
Laparoscopic Surgeon

आधुनिक लेजर नेत्र चिकित्सा में राज्य का गौरव
स्माईल लेसिक
चश्मा हटाने का राज्य में एकमात्र स्थान
SMILE LASIK
बिना फ्लेप, बिना ब्लेड
लेजर द्वारा चश्मा हटाना,
पतले कार्निया के लिए भी अधिक सुरक्षित
VisuMax Laser
राज्य/केन्द्र सरकार कर्मचारियों, पेन्शनर्स एवं मेडिकल के लिए अधिकृत नेत्र चिकित्सालय
डॉ.वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर
टोंक फाटक, फोर्ड शोरूम के पीछे,टोंक रोड़, गांधी नगर, जयपुर
9829017147, 9414043006 www.newsperfectvision.com

Dr. Goyal's
PATH LAB & IMAGING CENTRE
Dr. Piyush Goyal
MBBS, DMRD
Director & Chief Radiologist
• MRI (3 Tesla) • CT SCAN (32 Slice) • 3D/4D ULTRA SONOGRAPHY • COLOUR DOPPLER • CTMT • 2D ECHO • ECG • NCV • EEG • EMG • LABORATORY • DIGITAL X-RAY
B-51, Ganesh Nagar, Near Metro Pillar No. 109-110
New Sanganer Road, Sodala, Jaipur
Ph: 0141-2293346, 4049787, 9887049787

"विचार" ॐ सफेद दाढ़ी वाला सन्यासी

पंकज अंबा

महात्मा का नाम आते ही सामने एक चेहरा घूमने लगता है पीले कपड़ों में लिपटा सफेद ढ़ाढ़ी वाला एक बुजुर्ग सन्यासी, पर मेरी नजर में ऐसा नहीं है (शायद में गलत हूँ), मेरी नजर में महात्मा वो है जो बिना पीले कपड़े पहने हुये भी, बिना मालिक के नाम लिये हुये भी, महान् सच्चे कर्म करता है। वो बड़ा नास्तिक भी हो सकता है।

समय बदल गया युग बदल गया पर आज भी हमारी नजर में तपस्वी, महात्मा का मतलब होता है गुफाओं में छुपा हुआ महान् बुजुर्ग पुजारी पर उससे कहीं बड़ा महात्मा मुझे तो मजदूर लगता है जो भरी गर्मी में भी सुबह से शाम काम करके अपने बच्चों का पेट पालता है तो गलत काम करने की भी नहीं सोचता चाहे तो दिन भर फावड़ा चलाने की जगह चाकू चला कर बड़ी वारदात करके अपने बच्चों को ऐश करवा सकता है पर आज कल उलटा दिखता है जो ऐसे सच्चे महात्मा है लोग उनको पागल समझते हैं कहते है सारी उम्र पिसता रहा, सच्चाई पर चलता रहा, क्या किया अपने परिवार के लिये पर जो काली कमाई कर रहे है वो बड़े आदमी बन गये, महात्मा बन गये है उनके लिये जिनके मन्दिरों, आश्रमों के

लिये बड़ी-बड़ी रसीदें काटते हैं, उनके लिये जिनके एन.जी.ओ. के लिये बड़ा दान देते हैं। आज कितना समय हो गया रावण, कंश, दुष्शासन को गये हुये पर के आज भी दिखते है, हमारे समाज में सब पापी दिखते है (बस रूप नाम बदल गया है) लड़कियों को उठाते हुये उनको बेचते हुये उनका चीर हरण करते हुये, नहीं दिखता तो बस वो कृष्ण और राम। कहीं कोई भूले से दिख भी जाता है तो मजाक बन जाता है। पर ऐसा नहीं है, मेरी नजर में तो राम आज भी है पर हमारा राम बेचारा आत्मा राम बन कर ही रह गया है (आज नई पीढ़ी के कई लोगों को आत्मा राम के बारे में पता नहीं होगा अपने बुजुर्गों से पूछे) आत्मा में ही है, शरीर में प्रकट ही नहीं हो पाता। भगवान रूपी डाक्टर होने के बाद भी क्यूं ऐसी जाँचे करवाते हो जिसकी जरूरत उस मरीज को नहीं है (यह तुम अच्छी तरह जानते हो) पर ध्यान रखना आगे तुम्हारी भी जाँच होगी तब ऊपर वाले के सामने क्या जवाब दोगे। आज भी अभी भी समय है अपनी आत्मा में साये राम को जगाओ। हमारी आंखों के ही सामने सब गलत हो रहा है पर हम शायद किसी दूसरे के भरोसे आँख बंद कर लेते है। अगर वाकई महात्मा बनना है तो अपनी सोई आत्मा को जगाओं आवाज बुलंद करो ऐसे लोगों के खिलाफ - देखों फिर कोई माने या ना माने तुम खुद की नजर में और ऊपर वाले की नजर में महात्मा कहलाओगे।

संपर्क सूत्र : पंकज अम्बा
मो 9829353757

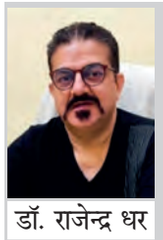

डॉ. राजेन्द्र धर

उपवास क्यों और क्या है सही तरीका

बहुत सारे लोग तरह-तरह के डाइट प्लान्स अपना रहे हैं, जिनमें इंटरमिटेंट फास्टिंग, कीटो डाइट आदि प्रमुख हैं।

निम्स मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर और वरिष्ठ फिजिशियन डॉक्टर राजेंद्र धर कहते हैं कि उपवास का प्रचलन सदियों पुराना है आजकल अधिक सेहतमंद व एक्टिव रहने के लिए बहुत सारे लोग तरह-तरह के डाइट प्लान्स अपना रहे हैं, जिनमें इंटरमिटेंट फास्टिंग, कीटो डाइट आदि प्रमुख हैं। इनमें से किसी डाइट प्लान में आपको कुछ घंटों के लिए भूखा रहना पड़ता है तो कुछ में नियमित अंतर पर सप्ताह में 1-2 बार।

अध्ययन के मुताबिक महीने में सिर्फ एक या दो दिन का उपवास रखकर भी आप अपने शरीर को सेहतमंद रख सकते हैं। ऐसा करने से स्वस्थ बने रह सकते हैं व लंबी जिंदगी जीने का अवसर भी मिल सकता है।

उपवास करने से हमारा स्वयं का आत्मनियंत्रण तो मजबूत होता ही है साथ ही कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं जैसे कि उपवास कैलोरी की मात्रा को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे वजन कम करने में सहायता मिलती है। इससे पाचन क्रिया बेहतर होती है। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर सकता है। बीमारियों से

लड़ने में मदद करता है। शरीर को डिटॉक्स करता है। इससे मानसिक स्पष्टता और एकाग्रता में सुधार आता है। यह शरीर में सूजन को कम करने में सहायक है, जो कई बीमारियों से जुड़ा होता है।

अहम बात यह है कि जब हम उपवास रखते हैं तो काफी समय तक भूखा रहना पड़ता है, इसलिए उपवास के बाद इस बात पर खास ध्यान देना चाहिए कि व्रत खोलने के बाद भोजन में क्या खाएं और किन चीजों से परहेज करें। उपवास के बाद हल्का खाना खाना चाहिए। यदि बीमार हैं या वजन सामान्य से कम हो, 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे और किशोर हों, कोई दवा ले रहे हैं व शुगर का स्तर असंतुलित रहता हो, बुजुर्ग, गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को उपवास से बचना चाहिए।

संपर्क सूत्र-
डॉ. राजेन्द्र धर
मो. 94140-73962

दादी मां के नुस्खे

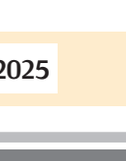

सहारा आयुर्वेदिक सेंटर के डॉ. अशोक शर्मा का कहना है कि मानव शरीर के रोगोपचार में कई बार घरेलू नुस्खे बहुत कारगर होते हैं।

झुर्रियों से मुक्ति

बढ़ती उम्र के साथ चेहरे पर झुर्रियां लाजमी हैं लेकिन प्रदूषण, तनाव और गलत जीवनशैली की वजह से समय से पहले ही झुर्रियां आपके चेहरे की रौनक छीन सकती हैं। ऐसे में इन्हें दूर भगाने के लिए जरूरी नहीं कि आप एंटी एजिंग उत्पादों या पार्लर पर पैसे खराब करें। आप घर पर भी इनसे बचाव के लिए होममेड पैक तैयार कर सकते हैं।

अंडा और क्रीम - अंडा में बायोटिन, पप्रोटीन और विटामिन्स अच्छी मात्रा में होते हैं जो त्वचा का कसाव बरकरार रखते हैं और झुर्रियां कम करने में मददगार होते हैं। इसके अलावा, उसकी पीली जर्दी में एंटीएजिंग गुण मौजूद हैं जबकि क्रीम त्वचा को मॉश्चराइज करती है। इसके लिए अंडे को आधा कटोरी क्रीम में फेंटे और कुछ बूंद नींबू का रस डालकर मिलाएं। इस मास्क को चेहरे पर 15 मिनट तक लगाकर छोड़ दें और ठंडे पानी से चेहरा धुलें। आप इसे नियमित रूप से भी लगा सकते हैं।

केले और गाजर का मास्क - केला और गाजर, दोनों में ही विटामिन्स मौजूद हैं जो त्वचा को पोषण देते हैं, दाग दूर करते हैं और झुर्रियां नहीं पड़ने देते। एक केले और एक गाजर को पीसकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर हल्के गुनगुने पानी से चेहरा साफ करें।

संपर्क: डॉ. अशोक कुमार शर्मा
मो. 9314512311

उपरोक्त नुस्खे चिकित्सक की सलाह से ही लें।

महात्मा गांधी हॉस्पिटल, जयपुर में चिकित्सा क्षेत्र में नया कीर्तिमान

डॉ. मनीष गुप्ता ने किए 50 रोबोटिक यूरोलॉजिकल सर्जरी

डॉ. मनीष गुप्ता

महात्मा गांधी अस्पताल, जयपुर के यूरोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. मनीष गुप्ता ने चिकित्सा क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने हाल ही में Da Vinci X रोबोटिक सिस्टम की सहायता से 50 सफल यूरोलॉजिकल सर्जरी पूरी की हैं। यह उपलब्धि राजस्थान में अत्याधुनिक तकनीकों के उपयोग की दिशा में अहम है।

डॉ. मनीष गुप्ता ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, मैं महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी की डायनामिक चेयरपर्सन एवं संपूर्ण प्रबंधन का दिल से आभार प्रकट करता हूं।

Da Vinci X सिस्टम के माध्यम से की जाने वाली रोबोटिक सर्जरी में अधिक सटीकता, कम दर्द, कम

रक्तस्राव और शीघ्र रिकवरी जैसी अनेक विशेषताएं होती हैं।

संपर्क सूत्र -
डॉ. मनीष गुप्ता
मो. स्वस्वस्व

प्रोस्टेट कैंसर हर साल 14 लाख नए केस

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर हो गया है। यह अग्रेसिव स्टेज में है, जो उनकी हड्डियों तक में तेजी से फैल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, साल 2020 में पूरी दुनिया में 14 लाख से ज्यादा प्रोस्टेट कैंसर के नए केस मिले थे। हर साल ये मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

हाल ही में यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ यूरोलॉजी कांग्रेस में एक स्टडी पेश की गई। इसमें 20 साल तक 1,60,000 पुरुषों की मेडिकल हिस्ट्री ट्रैक की गई। इसमें पता चला कि जो लोग प्रोस्टेट कैंसर के लिए स्क्रीनिंग नहीं कराते हैं तो उनकी जान जाने का जोखिम 45% ज्यादा होता है। भारत में ये ज्यादा चिंता की बात है, क्योंकि यहां प्रोस्टेट कैंसर की समय पर जांच नहीं होना एक बड़ी समस्या है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के मुताबिक, भारत में हर साल 33,000 से 42,000 नए मामले सामने आते हैं। साल 2040 तक प्रोस्टेट कैंसर के नए मामलों की संख्या दोगुनी होकर हर साल करीब 71,000 तक पहुंच सकती है। फिलहाल भारत में प्रोस्टेट कैंसर कुल कैंसर मामलों के लगभग 3त्न मामलों के लिए जिम्मेदार है।

प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों को होने वाली एक कॉमन और गंभीर बीमारी है। पुरुषों के रीप्रोडक्टिव सिस्टम में एक प्रोस्टेट ग्लैंड होती है। यह एक छोटी सी अखरोट के आकार की ग्रंथि होती है, जो यूरिनरी ब्लैडर के नीचे और मलाशय के सामने होती है।

प्रोस्टेट कैंसर के लक्षण क्या हैं? - प्रोस्टेट कैंसर होने पर शुरुआती दिनों में आमतौर पर कोई लक्षण नहीं दिखता है, लेकिन यह जैसे-जैसे बढ़ता है कुछ समस्याएं नजर आ सकती हैं। इनमें बार-बार पेशाब की जरूरत महसूस होती है और खासकर रात में होती है। पेशाब करते समय जलन या दर्द हो सकता है। पेशाब रुक-रुक कर आ सकती है।

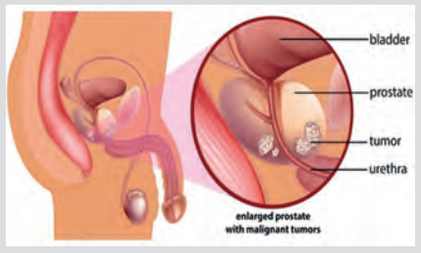

प्रोस्टेट कैंसर क्यों होता है? - प्रोस्टेट कैंसर की वजह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है, लेकिन उम्र, अनुवांशिकी, हॉर्मोनल असंतुलन, खराब डाइट, लाइफस्टाइल और एनवायर्नमेंटल कारक इसकी वजह बन सकते हैं। ये सभी चीजें मिलकर प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

जयपुर की शान बनेगा JAS-2025 पर्यटन कैलेंडर में भी दर्ज

● हैल्थ व्यू

जयपुर। रंगीन रत्नों और जड़ाऊ गहनों की धरती जयपुर एक बार फिर अपनी पहचान को वैश्विक स्तर पर मजबूती देने जा रहा है। ज्वैलर्स एसोसिएशन, जयपुर द्वारा आयोजित JAS-2025 - The Premium

BwB Show का आयोजन 4 से 6 जुलाई तक सीतापुरा स्थित Novotel Jaipur Convention Center में किया यह भव्य शो देश के सबसे बड़े BwB ज्वैलरी आयोजनों में से एक है, जिसे राजस्थान पर्यटन विभाग ने भी राज्य के वार्षिक पर्यटन कैलेंडर में शामिल किया है। इस तीन दिवसीय आयोजन में 310 से अधिक बूथों पर जयपुर के प्रसिद्ध रंगीन रत्नों, कुंदन-मीना-पोलकी, डायमंड व ओपन सेटिंग ज्वेलरी का भव्य प्रदर्शन होगा। इस बार शो में 185 बूथ जेमस्टोन और 125 बूथ ज्वेलरी के होंगे। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, सूरत, मेरठ जैसे शहरों के 24 से अधिक एक्सहिबिटर्स भी इसमें भाग लेंगे, जबकि 1200 से अधिक पंजीकृत ट्रेड बायर्स और 600 होस्टेड बायर्स की उपस्थिति रहेगी। JAS-2025 का उद्घाटन 4 जुलाई सुबह 10 बजे टाइटन कंपनी (Tanishq) के एमडी श्री C.K. वेंकटरमण व राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा।

जयपुर - रत्न नगरी की पहचान - जयपुर पूरी दुनिया में 95% एमरेल्ड प्रोसेसिंग के लिए जाना जाता है। इस शो में समुद्र, खदानों और पहाड़ों से प्राप्त दुर्लभ रत्नों को जयपुर के कारीगरों द्वारा तराशे हुए रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। जयपुर की प्रसिद्ध कुंदन-मीना-पोलकी जड़ाऊ आभूषणों के नवीनतम डिज़ाइन इस बार विशेष आकर्षण का केंद्र होंगे।

ट्रेड बायर्स के लिए Royal Lounge और लंच में राजस्थानी, पंजाबी व कॉन्टिनेंटल फूड का विशेष प्रबंध भी किया गया है, जिससे जयपुर की पारंपरिक मेहमाननवाजी का अनुभव मिल सके।

Jewellery Eminence Award का आयोजन-5 जुलाई को होटल Novotel में 17वां Jewellery Eminence Award समारोह आयोजित होगा, जिसमें 19 श्रेणियों में देशभर से आए प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा।

इस बार रिकॉर्ड 605 प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं। JE का थीम "Royale D Art" महाराजाओं की भव्यता को समर्पित है।

डॉक्टर्स डे - विशेष उपलब्धियां के लिए सम्मानित किया

हैल्थ व्यू @ जयपुर

1 जुलाई को प्रतिवर्ष डॉक्टर्स डे समारोह आयोजित किया जाता है इस अवसर की पूर्व संध्या पर प्राइवेट हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम सोसाइटी द्वारा चिकित्सकों को चिकित्सकों द्वारा उनके क्षेत्र में विशेष उपलब्धियां के लिए सम्मानित किया गया। समारोह के अध्यक्ष डॉक्टर नवनीत सक्सेना ने बताया कि इस समारोह में लगभग 1000 चिकित्सकों ने भाग लिया।

DR. AKSHAY SHARMA
DR. AMIT KUMAR AGARWAL
DR. AMIT KUMAR SANGHI
DR. ANIL SHARMA
DR. ASHISH SHARMA
DR. ASHOK KUMAR GUPTA
DR. BABITA GUPTA
DR. BHARAT CHANCHALANI
DR. BHARAT.B.GROVER
DR. BRAJESH KUMAR SINGHAL
DR. DEEPANSHU GURNANI
DR. DEEPIKA GUPTA
DR. DEVENDRA SHARMA
DR. DINESH CHAND GUPTA
DR. GAURAV KANT SHARMA
DR. GIREESH GUPTA
DR. HANS RAJ VERMA
DR. JYOTI BANSAL
DR. KONPAL AGRAWAL
DR. LAL CHAND MITTAL
DR. LAXMI KUMAWAT
DR. MADAN MOHAN AGARWAL
DR. MAHENDRA KUMAR VERMA
DR. MANISH CHOMAL

यह समारोह राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर झलना में 30 जून को संध्या में आयोजित हुआ।

इस समारोह के चीफ गेस्ट राजस्थान मेडिकल काउंसिल और जयपुर मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश मोदी थे और गेस्ट ऑफ ऑनर डॉक्टर राजवेंद्र सिंह चौधरी और डॉक्टर अरविंद अग्रवाल थे।

इस अवसर पर निम्न चिकित्सकों को मास्टर अवार्ड दिया गया उनकी स्पेशलिटी में।

DR. MANOHAR LAL SHARMA
DR. MONICA BANSAL
DR. NIKHIL AJMERA
DR. PAVAN KUMAR JAIN
DR. PRAMOD SARWA
DR. PRIYA GUPTA
DR. RAJESH JAIN
DR. RAJVINDER SINGH CHOUDHARY
DR. RAKESH AGRAWAL
DR. RAKESH KUMAR SHARMA
DR. RASHI AGRAWAL
DR. RITU AGARWAL
DR. SAMANVAYA SONI
DR. SANDEEP MUNDRA
DR. SANGEETA BHARGAVA
DR. SANJAY KUMAR MITTAL
DR. SANJEEV SIDANA
DR. SANJIV HOOJA
DR. SHREERAM GUPTA
DR. SHUBHKAM ARYA
DR. SITARAM GUPTA
DR. SULBHA ARYA
DR. SUNIL KUMAR JAIN
DR. SWATI AGGARWAL

इन चिकित्सकों को उनकी स्पेशलिटी में लीडरशिप अवार्ड दिया

Dr. Ajay bansal
Dr. Ajay Pal Singh
Dr. Alok Mathur
Dr. Alpana Parihar
Dr. Ambrish Kumar
Dr. Amit Bhatnagar
Dr. Amrita Sethi
Dr. ANJU MATHUR
Dr. Anshu S S Kotia
Dr. Dev Kumar Pingolia
Dr. Devendra Kumar
Dr. Dhananjay
Dr. Dharam Prakash
Dr. Dheeraj Verma
Dr. Govind Singh
Dr. Kewal Krishan
Dr. Lokesh Goyal
Dr. Mamraj Gupta
Dr. Manish Gupta
Dr. Monica Bhatia
DR. MUKESH
Dr. Neetu Rajvanshi
Dr. Pankaj Gupta
Dr. Pawan Agarwal
Dr. Pradeep Kumar Jain
Dr. Puneet goyal
Dr. Raj Kumar Makkar
Dr. Rajeev Kedawat
Dr. Rajeev Narang
Dr. RAJEEV SINGH
DR. RAJIV AHUJA
Dr. Rajkumar Yadav
Dr. Ramesh Kumar Soni
Dr. RavinDra Dhabhai
Dr. Rohit Charan
Dr. S.K.Jain
Dr. Sameer Rastogi
Dr. Sandeep Jasuja
Dr. Sanjay Kumar mittal
Dr. Saroj Sharma
Dr. Shivani Swami
Dr. Sondev Bansal
Dr. Sudeep Jain
Dr. Sudhir Yadav
Dr. Surendra Singh
Dr. Tarun Kumar Mittal
Dr. Vandana Jain
Dr. vijay sharma
Dr. VirenDra Singh
Dr. Yaneesh Maheshwari

विज्ञान के लिए संपर्क करें
मोबाइल नम्बर - 9829066272
बिना रसीद का पेमेंट नहीं दे

Fixed Teeth only in 1 Hour
Dr. Preeti Mittal
ORAL DENTAL SURGEON
105, vrindavan vihar colony King s Road Nirman Nagar Jaipur
Mo: 9829460460

H.N. NURSING HOME
चूरू क्षेत्र का एक विश्वसनीय केन्द्र
DR. MUMTAJ ALI
Churu- Rajsthan
Mob. 9414084525
Ph: 250763

सूचना
हैल्थ व्यू में प्रकाशित लेख लेखकों के अपने विचार हैं और केवल आपकी जानकारी के लिए है कोई भी लेख पर अमल करने से पूर्व अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य कर लें। हैल्थ व्यू के सम्पादक, प्रकाशक व मुद्रक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
THE EDITTORIAL BOARD DOES NOT ENDORSE ANY PRODUCTS ADVERTISED IN THIS NEWSPAPER.
किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र केवल जयपुर होगा।

प्रत्येक अंतिम शनिवार को नि:शुल्क एक्युप्रेशर व रेकी चिकित्सा जिसमें शारीरिक, मानसिक व चर्म से संबंधी रोगों का उपचार होगा।
संपर्क सूत्र
आकृति क्लिनिक
डॉ. पमिला छाबड़ा
मो. : 9829735666
रेकी व एक्युप्रेशर प्रशिक्षण हेतु संपर्क करें

LIFE SAVER
A SHOP OF LIFE SAVING DRUGS
STOCKISTS FOR
Cancer & Cardiac Medicines, Disposable Surgery Items Nutrition Fluids
168, Nehru Bazar, JAIPUR
TelÑ 2313129, 2310483, 2313281, MobÑ 98290-14267
DELIVERY FACILITY AVAILABLE

MAHAVEER DIAGNOSTIC
Super Speciality Lab
Thyroid ♦ Harmones ♦Tumour Markers ♦ Infertility/ Pregnency Hormones♦ Torch ♦ Metabolic Hormones ♦ Druf Assays
Dr. Manoj Jain
Mob. 94144-60959
ECHO & COLOR DOPPLER CENTRE
Whole Body Color Doppler Study, 2 D Echo- Adult & Paediatric, Carotid Doppler, Peripheral & Renal Doppler, Small Parts - Penile Doppler, Fetal Doppler & Echo
Manav Ashram, Gopalpura Mod, Jaipur Ph: 2704787

नशे के फैलते जाल से युवा पीढ़ी पर मंडराता संकट

संपादकीय

राजस्थान सहित पूरे देश में मादक पदार्थों की तस्करी एक गंभीर चुनौती बनकर उभर रही है। हाल ही में बाड़मेर में भारत-पाक सीमा के पास हेरोइन की भारी खेप की बरामदगी इस बात का संकेत है कि अंतरराष्ट्रीय गिरोहों ने प्रदेश में अपनी जड़ें मजबूत करना शुरू कर दिया है।

हेरोइन, अफीम, गांजा, डोडा-पोस्त जैसी नशीली वस्तुओं की लगातार बरामदगी और युवाओं की बढ़ती संलिप्तता से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि आने वाली पीढ़ी एक बड़े खतरे की ओर बढ़ रही है।

विश्व ड्रग रिपोर्ट 2024 के मुताबिक वैश्विक स्तर पर मादक पदार्थों के उपभोक्ताओं की संख्या 292 मिलियन पहुंच चुकी है, जो पिछले दशक की तुलना में 20त्न अधिक है। एनसीबी के अनुसार देश में लगभग 10 करोड़ लोग किसी न किसी नशीले पदार्थ के आदी हैं। राजस्थान भी इस बढ़ती लत से अछूता नहीं है।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब में नारकोटिक्स एक्ट के अंतर्गत सबसे अधिक मामले दर्ज हुए हैं, जो नशे के नेटवर्क की गहराई और व्यापकता की पुष्टि करते हैं।

चिंता की बात यह है कि नशे के सौदागरों को कहीं न कहीं संरक्षण भी मिल रहा है। जब तक इस अवैध गठजोड़ को नहीं तोड़ा जाएगा, तब तक नशे की तस्करी पर लगाम लगाना मुश्किल होगा। पुलिस और प्रशासन के लिए यह दोहरी चुनौती है—तस्करी को रोकना और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना। जरूरत है एक व्यापक रणनीति, कठोर कार्रवाई और सामाजिक जागरूकता की, ताकि नशे के इस अंधेरे जाल से भविष्य की पीढ़ी को बचाया जा सके।

वजन घटाने की दवाएं कैसे काम करती हैं?
क्या ये वेट लॉस का सुरक्षित तरीका है?

बढ़ता वजन लोगों के लिए सबसे बड़ी परेशानी है। मोटापा का बढ़ना जितना आसान है उसे घटाना उतना ही मुश्किल है। वजन घटाने के लिए लोग डाइटिंग का सहारा लेते हैं, वर्कआउट करते हैं। डाइटिंग करना काफी मुश्किल काम है खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें ज्यादा खाने की आदत है और जो भूख पर काबू नहीं पा सकते हैं। देश और दुनिया में मोटापा के शिकार लोगों का वजन कम करने के लिए कई तरह की दवाओं का इजाद किया जा रहा है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने 2017 में ओज़ेम्पिक (Ozempic) दवा को मंजूरी दी थी जिसे टाइप-2 डायबिटीज का इलाज करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। भारत में ओज़ेम्पिक को 2022 में लॉन्च किया गया था। डायबिटीज कंट्रोल करने वाली ये दवा वजन घटाने में भी असरदार साबित हो रही है। इस दवा का सेवन लोग वजन कम करने के लिए कर रहे हैं। अब सवाल ये उठता है कि आखिर वजन कम करने की इस दवा की कितनी खुराक का सेवन किया जाए कि वजन कंट्रोल रहे। क्या सिर्फ दवा खाने से वजन कंट्रोल होता है। डायबिटीज स्पेशलिस्ट सेंटर के अध्यक्ष डॉ. मोहन ने बताया उनके पास काफी पेशेंट ऐसे आते हैं जो वजन कम करने वाली दवा के बारे में पूछताछ करते हैं। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि ये वजन कम करने की दवा कैसे असर करती है, क्या सिर्फ दवा खाकर वजन को कंट्रोल किया जा सकता है, सभी सवालों के जवाब एक्सपर्ट से जानते हैं।

वजन घटाने की दवाएं कैसे काम करती हैं – डायबिटीज स्पेशलिस्ट सेंटर के अध्यक्ष डॉ. मोहन ने बताया वेट लॉस करने वाली कुछ दवाएं भूख कम करती हैं, कुछ दवाएं वसा के अवशोषण को रोकती हैं तो कुछ दवाएं ऐसी है जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देती हैं या ब्रेन के सिग्नल को प्रभावित करती हैं जिससे वेट लॉस करना आसान होता है।

क्या वजन घटाने वाली दवाएं वजन घटाने का सुरक्षित तरीका है? – वजन घटाने की दवाएं वजन को कम करने के लिए सुरक्षित हैं लेकिन सिर्फ इन दवाओं पर निर्भर होकर आप वजन को कंट्रोल नहीं कर सकते। इन दवाओं का इस्तेमाल करने के साथ ही आप अपने लाइफस्टाइल में बदलाव करें और डॉक्टर से जरूरी सलाह लें।

सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया।
सोच बदलनी होगी यह कहावत शाश्वत सत्य है। सभी सुखी हों सभी रोग मुक्त रहें हम सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बने और किसी को भी दुख का भागी न बनना पड़े।

श्रंखला 75

सोच बदलनी होगी

डॉ मान सिंह भांवरिया

शांति शांति शांति

इसका उच्चारण करके देखो कितनी शांति प्राप्त होगी। आज हम इस मुहावरे के अनुसार आपको जीवन जीने के तरीके के बारे में बताएंगे। हम जिस आपाधापी और भागदौड़ वाली जिंदगी में जीवन यापन कर रहे हैं सोच बदलनी होगी। कुछ बिंदुओं के द्वारा हमने जीवन को सही मार्ग पर लाने के लिए समझाने की कोशिश की है।

सास कभी माँ नहीं होती और पिता कभी माँ नहीं बन सकता

माँ, सास और पिता - रिश्तों के अनकहे किनारे, माँ का स्थान अनोखा है - वह निस्वार्थ प्रेम की मूर्ति है।

जैसे सास, जो माँ न होकर भी बहू को जीवन जीना सिखाती है,

वैसे ही पिता, जो माँ न होकर भी अपने बच्चे के लिए दीवार बनकर खड़ा रहता है।

जब तुम गिरती हो - माँ दौड़ती है तुम्हें उठाने को, सास रुकती है, कहती है - खुद उठो, सीखो, और मज़बूत बनो।

पिता दूर से देखता है, पर अंदर से टूट जाता है - वह आँसू नहीं बहाता, क्योंकि वह सीख देता है - हर चोट से लड़ो, मैं हूँ तुम्हारे पीछे।

जब तुम उदास होती हो - माँ गले लगा लेती है, सास समझाती है - सिर्फ भावनाओं से नहीं, समझदारी से रिश्ते निभते हैं।

पिता अपने तरीके से तुम्हारे लिए कुछ कर गुजरता है - चुपचाप तुम्हारे हिस्से की परेशानियाँ खुद ले लेता है।

जब तुम जिम्मेदारियाँ टालती हो - माँ कभी कुछ नहीं कहती, सास टोकती है, सिखाती है - घर ऐसे चलता है।

पिता अपनी ख्वाहिशें मारकर तुम्हें ऊँचा उड़ते देखता है - पर कहता कुछ नहीं, क्योंकि ÷पिता की परछाई ही सबसे बड़ी छत होती है।

सास को सास ही रहने दो, माँ मत बनाओ - क्योंकि वह तुम्हारी माँ नहीं, तुम्हारी गाइड है, संघर्ष की शिक्षक है, अनुभव की जीवित पुस्तक है।

पिता को माँ मत कहो - क्योंकि वह माँ जैसा दिखे न दिखे, वह अपने तरीके से वही स्नेह, वही त्याग करता है - बस बिना आँचल के, बिना आँखों के आँसू दिखाए।

जो बहू सास को छोड़ अलग हो जाती है - वह सास की सीख से वंचित हो जाती है।

जो संतान पिता की खामोश जिम्मेदारी को नहीं समझती - वह जीवन की नींव को खो देती है। एक दिन चली जाती है सास - अपने हिस्से की शिकायतें लेकर, लेकिन अपनी बहू को अगली सास बनने लायक बनाकर।

एक दिन चला जाता है पिता - अपने हिस्से की थकावट लेकर, लेकिन अपने बच्चों को ज़िम्मेदारी का चेहरा बनाकर।

इसलिए... सास को सास ही रहने दो, पिता को पिता ही रहने दो।

नाम बदलने की नहीं, भावनाओं को समझने की ज़रूरत है।

क्योंकि हर रिश्ता खास है - अपने रूप में, अपने ढंग में।

संपर्क सूत्र –
डॉ मान सिंह भांवरिया
– 9672777737

28 वर्षीय प्रमोद की डबल वाल्व MICS सफल सर्जरी

खंडेलवाल हार्ट इंस्टिट्यूट, जयपुर में चिकित्सा क्षेत्र की एक उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई है। 28 वर्षीय प्रमोद कंवर की डबल वाल्व सर्जरी सफलतापूर्वक MICS (Minimally Invasive Cardiac Surgery) तकनीक द्वारा की गई। डबल वाल्व रिप्लेसमेंट और वह भी

MICS तकनीक से करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है, जिसे इंस्टिट्यूट की CTVS (Cardiothoracic & Vascular Surgery) टीम ने पूरी दक्षता और समर्पण के साथ अंजाम दिया। खंडेलवाल हार्ट इंस्टिट्यूट की CTVS टीम द्वारा नियमित रूप से MICS सर्जरी की जाती है, जो हृदय रोगियों के लिए एक क्रांतिकारी विकल्प बन चुकी है। इस तकनीक मे पारंपरिक ओपन हार्ट सर्जरी की तुलना में छोटे चीरे, कम रक्तस्राव, कम दर्द, संक्रमण की न्यूनतम संभावना होती है।

एस्ट्राजेनेका को फेफड़े के कैंसर की दवा के लिए CDSCO की मंजूरी मिली

एस्ट्राजेनेका इंडिया फार्मा को नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के इलाज में इस्तेमाल की जाने वाली दवा के आयात, बिक्री और वितरण के लिए सरकारी प्राधिकरण से मंजूरी मिल गई है। पीटीआई की खबर के मुताबिक, एस्ट्राजेनेका इंडिया ने एक बयान में कहा कि कंपनी को 40 मिलीग्राम और 80 मिलीग्राम की ताकत वाली ओसिमर्टिनिब टैबलेट के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से मंजूरी मिल गई है।

एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा – खबर के मुताबिक, इस मंजूरी से स्थानीय रूप से एडवांस, असंक्रमित (स्टेज ढ्ढढ्ढढ्ढ) नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर के रोगियों के उपचार में मोनोथेरेपी के रूप में ओसिमर्टिनिब के साथ एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है।

दवा फर्म ने कहा कि यह नया संकेत ईजीएफआर-उत्परिवर्तित एनएससीएलसी पोस्ट-कीमोरेडिएशन के लिए एक फर्स्ट क्लास के उपचार विकल्प का प्रतिनिधित्व करता है। एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया के कंट्री प्रेसिडेंट और एमडी संजीव पंचाल ने कहा कि इस अतिरिक्त संकेत के लिए ओसिमर्टिनिब की मंजूरी के साथ, हम भारत में फेफड़ों के कैंसर के उपचार को फिर से परिभाषित करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल कर रहे हैं।

इस दवा को किया था वापस – एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड ने करीब एक महीने पहले जानकारी दी थी कि उसने व्यावसायिक कारणों के चलते भारत में

CDSCO
Central Drugs Standard Control Organization

प्रोस्टेट कैंसर के इलाज की दवा ओलापारिब (लिनपार्जा) 100mg और 150mg को विपणन प्राधिकरण को वापस कर दिया है। एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि कंपनी को 17 नवंबर, 2023 को ओलापारिब फिल्म-कोटेड टैबलेट 100mg और 150mg (लिनपार्जा) के लिए विपणन प्राधिकरण प्राप्त हुआ था।

इससे पहले एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया को दो महीने पहले भारत के औषधि नियामक से वयस्कों में हाइपरकेलेमिया (रक्त में सामान्य से अधिक पोटेशियम स्तर) के उपचार में इस्तेमाल होने वाले ओरल सस्पेंशन के लिए सोडियम जिरकोनियम साइक्लोसिलिकेट पाउडर के आयात और बिक्री की अनुमति मिली थी।

मानसिक रोगों में देखभाल करने वालों की बढ़ती चुनौती

सिज़ोफ्रेनिया और बाइपोलर डिसऑर्डर में अंतर स्पष्ट

एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर के मनोचिकित्सा विभाग के डॉ. चकित शर्मा द्वारा किए गए शोध को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल IJPCR में प्रकाशित किया गया है। प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक त्यागी के मार्गदर्शन में किए गए इस शोध में सिज़ोफ्रेनिया और बाइपोलर अफेक्टिव डिसऑर्डर (BPAD) के मरीजों की देखभाल करने वालों पर पड़ने वाले मानसिक, सामाजिक और शारीरिक प्रभावों की तुलना की गई है।

डॉ चकित शर्मा

शोध के प्रमुख निष्कर्ष – यह अध्ययन बताता है कि दोनों रोगों में देखभाल करने वालों पर बोझ तो भारी होता है, लेकिन उसका स्वरूप भिन्न होता है। बाइपोलर मरीजों के तीव्र और अनियंत्रित मूड बदलाव के कारण उनके परिजनों को अधिक शारीरिक तनाव होता है, जबकि सिज़ोफ्रेनिया के दीर्घकालिक और गहन लक्षणों से जुड़ा मानसिक दबाव अधिक होता है।

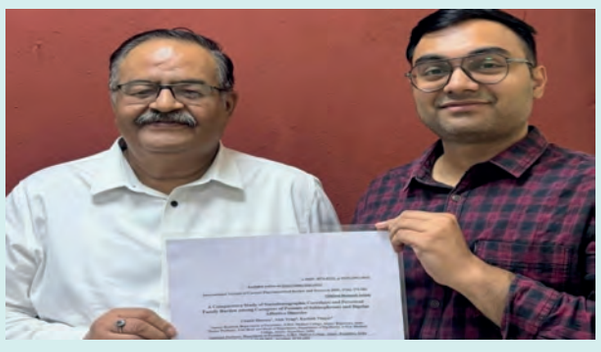

सिज़ोफ्रेनिया में लक्षणों की तीव्रता सीधे देखभाल करने वाले के तनाव से जुड़ी पाई गई, जबकि बाइपोलर मामलों में सामाजिक और पारिवारिक पहलुओं ने अधिक असर डाला।

निजीकृत समर्थन योजनाओं की आवश्यकता – अध्ययन यह सुझाव देता है कि देखभाल करने वालों के लिए रोग-विशिष्ट समर्थन योजनाएं बनाई जानी चाहिए।

सिज़ोफ्रेनिया के मामलों में लंबे समय तक स्थिर देखभाल आवश्यक है, जबकि बाइपोलर रोगियों के लिए त्वरित हस्तक्षेप और आपातकालीन मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं कारगर हैं।

राजस्थान के लिए गर्व का विषय – राजस्थान के चिकित्सक का शोध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित होना न केवल गौरव की बात है, बल्कि यह राज्य की बौद्धिक प्रतिभा और चिकित्सा अनुसंधान में प्रगति को भी दर्शाता है।

यह अध्ययन मानसिक स्वास्थ्य नीतियों को परिवार केंद्रित और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

संपर्क सूत्र – डॉ चकित शर्मा
मो +91 96641 26731

बुखार, डायबिटिज और ब्लड प्रेशर... दवाइयां टेस्ट में फेल

कैल्शियम और विटामिन डी3 सप्लीमेंट्स, मधुमेह रोधी गोलियां और उच्च रक्तचाप की दवाइयों सहित 50 से अधिक दवाइयां भारत के औषधि नियामक द्वारा गुणवत्ता परीक्षण में विफल रही हैं।

बाजार में ये दवाइयां भी बिक रही नकली – दूसरी नकली दवाई का नाम है Telma-H और जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है, उन्होंने ये दवाई जरूर खाई होगी और ये दवाई हिमाचल प्रदेश की एक फार्मा कंपनी बनाती है, जिसका नाम है Glenmark Pharmaceuticals. लेकिन इस रिपोर्ट के मुताबिक, बाज़ार में इस कंपनी के नाम से यही Telma-H नाम की नकली दवाई लोगों को बेची जा रही है। तीसरी दवाई का नाम है rsocol 300 और ये दवाई वो लोग खाते हैं, जिन्हें लिवर की कोई बीमारी है और चौथी दवाई का नाम है Defcort. ये अस्थमा, गठिया और एलर्जी की समस्या होने पर खाई जाती है और ये भी बहुत कॉमन दवाई है, जो भारत के बहुत सारे घरों में खाई जाती है लेकिन ये दवाई भी नकली हो सकती है। पांचवीं दवाई का नाम है, Pulmosil और ये दवाई भी भारत की मशहूर फार्मा कंपनी Sun Pharma द्वारा बनाई जाती है लेकिन इस कंपनी का कहना है कि जांच में जो दवाई फेल हुई है, वो उसके नाम से बनाई गई नकली दवाई हैं, जिन्हें बाज़ार में धोखे से बेचा जा रहा है. इन पांच दवाइयों के अलावा 48 दवाइयां ऐसी भी हैं, जो नकली नहीं हैं बल्कि असली ब्रांडेड दवाइयां हैं और ये सारी दवाइयां क्वॉलिटी के मामले में फेल हो गई हैं।

बुखार की Paracetamol 500 MG भी टेस्ट में फेल – इनमें पहली दवाई का नाम है Paracetamol 500 MG. बुखार होने पर हर किसी ने ये दवाई कभी ना कभी ज़रूर खाई होगी और बहुत सारे लोग ऐसे होंगे, जो डॉक्टर से बिना पूछे बुखार होने पर खुद दुकान से खरीदकर इस दवाई को खाते होंगे. लेकिन अब पता चला है कि बाज़ार में मिलने वाली ये असली दवाई भी क्वॉलिटी के मामले में खराब निकली है. आपने कभी सोचा है कि पहले आप बुखार की एक गोली खाने से ठीक हो जाते थे लेकिन अब दो-तीन खुराक के बाद भी इन दवाइयों का कोई असर नहीं होता है।

Paracetamol की दवाई Description में फेल हुई है, जिसका मतलब ये है कि इसे बनाने के लिए जिस Drug Salt का इस्तेमाल हुआ, उसमें मिलावट थी और इसमें दवाई के SALT का Combination सही नहीं था। जो फार्मा कंपनी इस दवाई को बनाती है, उसका नाम है, Karnataka Antibiotics and Pharmaceuticals लिमिटेड और ये कोई प्राइवेट कंपनी नहीं है बल्कि ये भारत सरकार की एक फार्मा कंपनी है और सोचिए.. अगर भारत सरकार की कंपनी की दवाई ही टेस्ट में फेल हो जाए तो ये कितनी गंभीर बात है।

दवाएं हुई टेस्ट में फैल

कुछ दवाएं ऐसी हैं जो हमारे फर्स्ट एड बॉक्स में हमेशा मौजूद रहती हैं जिसमें पेरासिटामोल, विटामिन डी, पेट के इन्फेक्शन और पेट में गैस का इलाज करने वाली दवाएं शामिल हैं। पैरासिटामोल का सेवन अक्सर हम बुखार होने पर, सिर दर्द या बदन दर्द का इलाज करने के लिए करते हैं। आप जानते हैं कि जिन दवाओं का इस्तेमाल आप आंख बंद करके करते हैं वो दवाएं आपकी बीमारी का इलाज नहीं कर रही बल्कि आपको बीमार कर रही हैं।

भारत के ड्रग नियामक सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन ने किए गए दवाओं के क्वालिटी चेक में 50 से ज़्यादा दवाइयों को 'स्टैंडर्ड क्वालिटी' से बाहर कर दिया है। इन दवाओं में कई क्रॉनिक बीमारियों की दवा जैसे डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर की दवा, दर्द को दूर करने वाली दवा डिक्लोफेन, कैल्शियम सप्लीमेंट, एसिड रिफ्लक्स, पेट में इंफेक्शन की दवा और जरूरी विटामिन की गोलियों को स्टैंडर्ड क्वालिटी से बाहर रखा है। ये दवाएं देश की बड़ी फार्मास्यूटिकल कंपनियां बनाती हैं। CDSCO के मुताबिक ये दवाएं आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा रही है। बीपी और डायबिटीज मरीज ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर को नॉर्मल रखने के लिए जिन दवाओं को रोज फांक करे हैं असल में वो उनके लिए जहर हैं।

दवा असली है या नकली कैसे लगाएं पता – एमडी इंटरनल मेडिसिन में डॉक्टर प्रखर गर्ग ने बताया जब भी आप दवा दुकान से दवाई खरीद रहे हैं तो दवा के पत्ते पर मौजूद QR कोड को स्कैन करके ही दवा को खरीदें। इस स्कैन की मदद से आप इस दवा की जानकारी अपने मोबाइल पर तुरंत हासिल कर सकते हैं। जिस साइंटिस्ट ने इस दवा पर काम किया होगा उसकी सारी जानकारी इस QR कोड की मदद से आपके सामने आ जाएगी।

RAJASTHAN PHARMACY COUNCIL
(Constituted Under The Pharmacy Act 1948)
Government Dispensary Campus Sardar Patel Marg, Jaipur-01,
Ph: 0141: 2228600, E-mail: info@rajasthanpharmacycouncil.in,
Web: www.rajasthanpharmacycouncil.in

Reference No.: RPC/Circular-1/2025/14580 Date: 25.06.2025

Circular

To,
All the Pharmacy Institutions/Universities
Subject: Admission and Document Verification Guidelines for admission into Pharmacy College.

Dear Principals and Administrators,

This is to inform you that an Executive committee meeting of the Rajasthan Pharmacy Council was conducted on 21st May 2025, in reference to the Circular dated 4th August 2023, bearing Ref. no. 12-1/2022-PCI/ 2715 and Circular dated 27th September 2021, bearing Ref no. 14-2/ 2021-PCI/3683-86 issued by Pharmacy Council of India. The following directives have been issued concerning the admission process and document verification for candidates:

1. All admissions must be conducted in strict accordance with Section 33 read with Section 32(2) of the Pharmacy Act, 1948.
2. It is imperative that all colleges thoroughly verify the academic documents of candidates, specifically the 10+2 Documents.
3. The Pharmacy Council will register candidates solely based on the academic verification carried out by the respective colleges.
4. In the event of any discrepancy or upon receiving any complaint regarding the 10+2 documents of a candidate, the college that failed to properly verify the documents and the candidate who submitted such forged or frivolous documents will be held liable.
5. Further, your kind attention is also invited to Pharmacy Council of India's Circular bearing no. **ref. No. 12-1/2022-PCI/ 2715 dated 04.08.2023 & Ref. No. 14-2/2021-PCI/ 3683-86 dated 27.09.2021.**

Hence all the admission-making authorities are requested to strictly verify the 10+2 documents of candidates before taking admission to any pharmacy courses to avoid any legal issues.

We trust that all colleges will adhere to these guidelines diligently to maintain the integrity and standards of the admission process.

Your's Faithfully,
Narendra Kumar Raiger
Registrar
Rajasthan Pharmacy Council, Jaipur

कहीं आपकी BP की दवाई नकली तो नहीं?

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने लेटेस्ट मंथली ड्रग अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में CDSCO ने आमतौर पर सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाने वाली 103 पॉप्युलर दवाओं को चिन्हित किया है।

- Azithromycin Oral Suspension I.P.
- Polywin Vitamin B Comple& Injection
- Sitagliptin Phoshpate Tablets I.P
- Albendazole Tablets IP
- Norflo&acin Tablets I.P
- Amo&ycillin & Clavulanate Potassium for Oral Suspension I.P.
- Telmisartan Tablets IP y®mg Aceclofenac
- Paracetamol
- Serratiopeptidase Tablets

आपको बता दें कि आमतौर पर इन दवाइयों को चेस्ट इन्फेक्शन जैसे न्यूमोनिया, मेटाबोलिक डिसऑर्डर और हाई ब्लड शुगर आदि जैसी स्थितियों में लिया जाता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'रुटीन रेगुलेटरी सर्विलांस एक्टिविटी के अनुसार Not of Standard Quality (NSQ) और नकली दवाओं की सूची मासिक आधार पर सीडीएससीओ पोर्टल पर पब्लिशि की जाती रही है। केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने 47 दवाइयों के नमूनों की पहचान Not of Standard Quality (NSQ) के नहीं होने के तौर पर की है और राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं (State Drugs Testing Laboratories) ने 56 दवाइयों के नमूनों की Not of Standard Quality (NSQ) के नहीं के रूप में की है। NSQ के रूप में दवा के नमूनों की पहचान एक या अन्य स्पेसिफाइड क्वालिटी पैरामीटर्स में दवा के नमूने की विफलता के आधार पर की जाती है।

ASHOKA FURNISHINGS
G.S Road, Guwahati-5,
Tel - 0361-2457801-02,
Babu Bazaar, Fancy Bazaar Guwahati1
0361-2637326

JANGID HOSPITAL
Nawalgarh, Jhunjhunu Distt.
झुझंनु जिले के निवासियों की स्वास्थ्य रक्षा का प्रहरी
Dr. Manish Sharma
Consultant Anaesthesiologist & Intensivist
Mo: 9414402800, Ph: 1594-225500

व्यक्तित्व और आत्मविश्वास में बालों की अहम भूमिका - डॉ. अन्विति गुप्ता

इटरनल हॉस्पिटल व रिबॉर्न स्किन एंड हेयर क्लिनिक की विशेषज्ञ डर्मेटोलॉजिस्ट की सलाह

● हैल्थ व्यू

वर्तमान दौर में लोग अपने व्यक्तित्व और आत्म-प्रस्तुति को लेकर अत्यधिक सजग हो गए हैं। ऐसे में बालों की घटती ग्रोथ या समय से पहले गंजापन लोगों के आत्मविश्वास को गहरा आघात पहुंचा सकता है। इटरनल हॉस्पिटल एवं रिबॉर्न स्किन एंड हेयर क्लिनिक की डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. अन्विति गुप्ता का मानना है कि यदि समय रहते सही चिकित्सा ली जाए, तो बालों की ग्रोथ को कम होने से न सिर्फ रोका जा सकता है, बल्कि वापस लाया भी जा सकता है।

डॉ अन्विती गुप्ता

डॉ. गुप्ता बताती हैं कि ÷गंजापन न केवल व्यक्ति की उम्र को बढ़ा हुआ दर्शाता है, बल्कि उसके आत्मबल और सामाजिक प्रस्तुति को भी प्रभावित करता है। लेकिन आज मेडिकल साइंस की प्रगति से यह समस्या अब असंभव नहीं रही। खासकर युवाओं में हेयरलाइन का पीछे हटना या सिर के बीच में गंजापन आना अब गंभीर चिंता का विषय नहीं रह गया है। उन्होंने जानकारी दी कि हेयर ग्रोथ के लिए अब आधुनिक और सुरक्षित थेरेपी उपलब्ध हैं, जिनमें क्क्क (Platelet-Rich Plasma), GFC (Growth Factor Concentrate), और क्क्क678 प्रमुख हैं। यदि इन वैज्ञानिक विधियों से भी पर्याप्त परिणाम न मिलें, तो हेयर ट्रांसप्लांट एक प्रभावी और स्थायी विकल्प बन जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन उपचारों के कोई गंभीर साइड इफेक्ट नहीं होते हैं और इनसे प्राकृतिक बालों जैसी ग्रोथ संभव है। गौरतलब है कि

वर्ष 2023 में इस क्षेत्र में कदम रखने वाली डॉ. अन्विती गुप्ता ने बेहद कम समय में 70 से अधिक व्यक्तियों को थेरेपी द्वारा बालों की पुनः ग्रोथ दिलाई है, वहीं 100 से अधिक हेयर ट्रांसप्लांट केस सफलता पूर्वक किए हैं।

डॉ. गुप्ता का संदेश है - बाल केवल सौंदर्य का नहीं, आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का भी प्रतीक हैं। सही समय पर सही चिकित्सा से न केवल बालों को बचाया जा सकता है, बल्कि व्यक्तित्व को भी संवारने में मदद मिलती है।

संपर्क सूत्र - डॉ अन्विती गुप्ता
मो +917014797134

गुर्दे की बीमारी के लक्षणों को न करें नजरअंदाज, जानिए किस डॉक्टर के पास जाना है सही ?

● हैल्थ व्यू

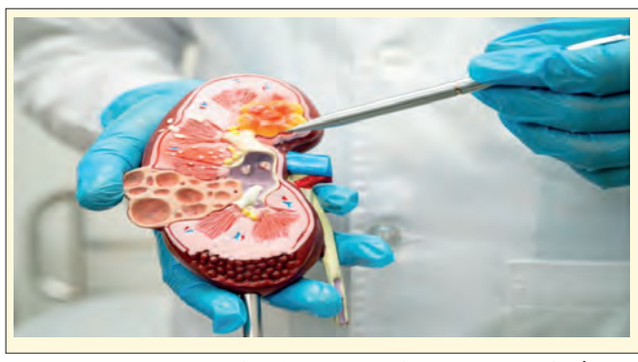

डॉ गौरव शर्मा

डॉ. गौरव शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, नेफ्रोलॉजी विभाग, महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण जानकारी दी।

गुर्दे की बीमारी के लक्षण - डॉ. शर्मा के अनुसार, निम्न लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये गुर्दे की कार्यक्षमता में कमी की ओर संकेत करते हैं । बार-बार पेशाब आना या पेशाब का रुक-रुक कर आना, चेहरे और पैरों में सूजन, शरीर में खून की कमी (एनीमिया), उच्च रक्तचाप, पेशाब में खून या झाग (प्रोटीन) आना, भूख में कमी और कमजोरी

हड्डियों में विकृति, बच्चों में शारीरिक विकास रुक जाना, रक्त में क्रिएटिनिन स्तर का बढ़ जाना, डायबिटीज से जुड़ी गुर्दा समस्याएं, किसके पास जाना चाहिए – नेफ्रोलॉजिस्ट या यूरोलॉजिस्ट ? यदि आपकी समस्या गुर्दे की कार्यक्षमता से जुड़ी है जैसे कि क्रॉनिक किडनी डिजीज (CKD), डायबिटिक नेफ्रोपैथी, या आपको डायलिसिस या किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत है – तो नेफ्रोलॉजिस्ट (गुर्दा रोग विशेषज्ञ) से संपर्क करना चाहिए। ये विशेषज्ञ दवाओं के माध्यम से उपचार करते हैं और डायलिसिस व ट्रांसप्लांट की योजना बनाते हैं।

अगर लक्षण गुर्दे की संरचना से संबंधित हैं जैसे — गुर्दे में पथरी (स्टोन), प्रोस्टेट की समस्या, पेशाब में जलन या रुकावट, तो इनका इलाज यूरोलॉजिस्ट (मूत्र रोग सर्जन) करते हैं। इन मामलों में सर्जरी या एंडोस्कोपिक प्रक्रियाएं आवश्यक हो सकती हैं।

इलाज में एडवांसमेंट - डॉ. शर्मा बताते हैं कि आज दवाओं में अत्याधुनिक विकास हुआ है। SGLTw inhibitors (जैसे कि डैपाग्लिफ्लोज़िन, एम्पाग्लिफ्लोज़िन) एवं इम्यूनो सप्रेजेंट्स से डायबिटीज और किडनी दोनों की बीमारियों में बेहतर नियंत्रण संभव हो गया है।

यह दवाएं क्रिएटिनिन को स्थिर रखने और किडनी फेलियर की प्रगति को धीमा करने में बेहद कारगर हैं।

संपर्क सूत्र - डॉ गौरव शर्मा
मो 94620 44428

शादी दिलों का मेल है,
उसे यादगार बनाइए
वैवाहिक परिधानों की सम्पूर्ण रेंज
Raja Sahab
His & Hers Store
Raja Park, Jaipur. Ph. : 2623001-002

भवानीखेड़ा की सोनी देवी को रीढ़ की जटिल सर्जरी से मिला नया जीवन

अजमेर निवासी 57 वर्षीय सोनी देवी को लंबे समय से दोनों पैरों में दर्द, झनझनाहट और सुन्नपन की समस्या थी। वह कुछ ही दूरी चल पाती थीं, साथ ही उन्हें मल-मूत्र त्याग में भी गंभीर परेशानी होने लगी थी। कई स्थानीय चिकित्सकों से परामर्श के बाद भी जब कोई राहत नहीं मिली, तब किसी ने उन्हें धन्वंतरी हॉस्पिटल, जयपुर में दिखाने की सलाह दी।

डॉ. आर.पी. सैनी

यहां पहुंचने पर वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. आर.पी. सैनी ने उनकी MRI जांच करवाई, जिसमें Lx-Ly-Lz वर्टिब्रल लेवल पर गंभीर नर्व कंप्रेशन (दबाव) और स्पाइनल कैनाल में संकुचन (canal stenosis) पाया गया। उन्होंने बताया कि यह स्थिति Lumbar Canal Stenosis with Disc Prolapse से जुड़ी थी, जिसमें न केवल चलने-फिरने में परेशानी होती है, बल्कि यदि समय पर इलाज न हो तो यह neurogenic bladder dysfunction जैसी जटिल समस्याएं भी पैदा कर सकती है।

चुनौतीपूर्ण लेकिन सफल ऑपरेशन - डॉ. आर.पी. सैनी की टीम के साथ वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. मोहन एचरा ने मरीज की रीढ़ की Laminectomy with Spinal Fusion and Fi&ation नामक जटिल सर्जरी की। इस प्रक्रिया में क्षतिग्रस्त डिस्क हटा कर कृत्रिम इंटरबॉडी केज और स्क्रू-रॉड सिस्टम की सहायता से स्पाइन को स्थिर किया गया। ऑपरेशन करीब 3 घंटे चला और पूरी तरह सफल रहा।

डॉ. सैनी ने बताया कि इस सर्जरी का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह था कि महिला को लैट्रिन-पेशाब नियंत्रित करने में जो दिक्कत थी, वह एक न्यूरोलॉजिकल अलार्मिंग संकेत था और समय रहते ऑपरेशन होना बहुत जरूरी था। अब सोनी देवी पूरी तरह से ठीक हैं। उन्हें न केवल चलने-फिरने में सहजता हो गई है, बल्कि मल-मूत्र की समस्या भी पूरी तरह ठीक हो गई है। उन्होंने डॉक्टर आर.पी. सैनी, डॉ. मोहन एचरा और धन्वंतरी हॉस्पिटल की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि ÷जिन पैरों ने जवाब दे दिया था, आज वे दोबारा चलने लगे हैं - यह मेरे लिए एक नया जीवन है।

संपर्क सूत्र - डॉ. आर.पी. सैनी, विशेषज्ञ)
मो. 98290 55760

असाध्य रोगों में चमत्कारी राहत : हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी

इस थेरेपी के जरिए शरीर के ऊतकों तक सामान्य से 10 से 15 गुना अधिक ऑक्सीजन पहुंचाई जाती है ।

चिकित्सा विज्ञान में एक विशेष तकनीक - हाइपर्बारिक ऑक्सीजन थेरेपी उन रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही है जिनकी पारंपरिक उपचार से बीमारी में कोई विशेष राहत नहीं मिल रही। यह थेरेपी विशेष रूप से गंभीर और जटिल रोगों में कारगर सिद्ध हो रही है, जैसे कि - गहरे जख्म (न भरने वाले घाव), डाइबिटिक फुट, गैंग्रीन, ब्रेन स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी, खून का थक्का, सूजन, रेडिएशन के दुष्प्रभाव, सुनने की क्षमता में कमी एंटी-एजिंग व सेल रिपेयर जैसे कई जटिल रोग। वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रमेश अग्रवाल का कहना है कि इस थेरेपी के जरिए शरीर के ऊतकों तक सामान्य से 10 से 15 गुना अधिक ऑक्सीजन पहुंचाई जाती है, जिससे ऊतक पुनर्जीवित होने लगते हैं और सेलुलर स्तर पर हीलिंग की गति अत्यंत तीव्र हो जाती है।

डॉ. रमेश अग्रवाल

क्या है HBOT थेरेपी? - इस उपचार में मरीज को एक विशेष हाइपर्बारिक चेंबर में बैठाया जाता है, जहां लगभग 90 मिनट तक नियंत्रित रूप से बढ़े हुए वायुदाब में शुद्ध ऑक्सीजन दी जाती है।

इस प्रक्रिया से शरीर के तरल (प्लाज्मा) में ऑक्सीजन की मात्रा अत्यधिक बढ़ जाती है और यह गहराई तक उन ऊतकों में भी पहुंचती है जहां सामान्य ऑक्सीजन की आपूर्ति नहीं हो पाती।

कैसे काम करती है यह थेरेपी ? - यह नए रक्तवाहिकाओं के निर्माण (Neoangiogenesis) में मदद करती है। इंफ्लेमेशन (सूजन) को कम करती है। शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सशक्त करती है।

घावों को तेजी से भरने में सहायक होती है। - सेलुलर स्तर पर पुनरुद्धार (Regeneration) को बढ़ावा देती है।

डॉ. अग्रवाल के अनुसार, यह थेरेपी न केवल रोगियों को राहत दे रही है बल्कि कई बार उनकी सर्जरी टालने में भी सफल रही है। पश्चिमी देशों में HBOT पहले से ही चिकित्सा मान्यता प्राप्त एक मजबूत सहायक चिकित्सा पद्धति है, जो अब भारत में भी धीरे-धीरे लोकप्रिय हो रही है।

संपर्क करें - डॉ. रमेश अग्रवाल
मोबाइल - 9829017133

HAPPY DOCTOR'S DAY
MITTAL MCH CARE
Dr. Chirag Mittal
MD pediatrics
Add C-72 Sethi Colony Jaipur
Mob - 9414386334, 9216511250

Dr. NAVNEET SAXENA
Senior Consultant Nephrologist Professor,
Jaipur National University Hospital
-:- Clinic address -:-
KIDNEY CARE AND GENERAL HOSPITAL
388, Laxman path Vivek vihar Opp vivek vihar metro station, Jaipur
Contact no 9571657457

जर्मनी व लंदन के जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ
डॉ. मनीष वैष्णव
विश्व की सफल और अत्याधुनिक सॉफ्ट रोबोटिक तकनीक से
रिप्लेस नहीं, रिपेयर करें
चुनें माइक्रोप्लास्टी/टक्सप्लास्टी (UKR)
और बचें पूर्ण घुटना प्रत्यारोपण से
DR. MANISH VAISHNAV
जॉइंट रिप्लेसमेंट स्पेशलिस्ट
M. S Ortho (SMS) Jaipur
Fellowship Join Replacement & Arthoscopy
(Mumbai, Germany)
SHALBY HOSPITAL, JAIPUR
डॉ. मनीष वैष्णव की ओपीडी सेवाएं :- अजमेर, ब्यावर, कुचामन, नागौर, कोटा, हनुमानगढ़, रावतसर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, झालावाड़
AJAY SULANIYA ☎ 96106 14200, 90017 40688 doctormanishortho.in.net
Clinic VS Medihub, 1st floor 28 Shiv Shakti Nagar, near Indo Bharat School, Nirman Nagar, Jaipur, Rajasthan 302019 परामर्श समय: शाम 5 से 7 बजे तक

नवजीवन केंद्र-एक नई शुरुआत की ओर
De-Addiction
& Rehabilitation Centre, Jaipur
क्या आप या आपका कोई प्रियजन नशे की गिरफ्त में है?
हम हैं आपके साथ—बस एक फोन कॉल की दूरी पर।
हमारे उपचार
शराब की लत (Alcohol Addiction)
नशीली दवाओं की लत (Drug Addiction)
ड्यूल डायग्नोसिस (Dual Diagnosis)
प्राकृतिक डिटॉक्स उपचार (Deto& Treatment)
हेरोइन व कोकीन की लत से मुक्ति (Heroin & Cocaine Addiction)
हमारा विशेष तरीका
आयुर्वेदिक व प्राकृतिक विधियों द्वारा उपचार
व्यक्तिगत एवं पारिवारिक काउंसलिंग
ध्यान, योग और सकारात्मक जीवनशैली से पुनर्वास
अनुभवी डॉक्टरों व समर्पित टीम का सहयोग
हमारा वादा—
नशामुक्त जीवन की राह पर आपका साथ।
बस एक कॉल करें :
+91-9636907788
नवजीवन केंद्र में इलाज नहीं, एक नया जीवन मिलता है!
"He Shall Live Because of Me"

डॉक्टर्स - डे की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. DEEPESH KALRA
MS, M.Ch. (Urology), Dr NB (Urology)
VLD Fellowship In Advanced Endourology & Laparoscopy
Gold Medalist
Consultant Urologist and Andrologist
For Consultation
Clinic Address: 128, Ram Gali-3, Rajapark, Jaipur
Agarwal Hospital : apex circle, Malviya Nagar, Jaipur
Mob.: - 95093 70455

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभमानाएं
त्रिमूर्ति मेडिकल
गुरुकृपा हॉस्पिटल के सामने सीएलसी चौराहा, पिपराली रोड, सीकर
वार्ड नंबर 56, जाट कॉलोनी, देवाजी प्याऊ के सामने, भगतसिंह मार्ग, नवलगढ़ रोड, सीकर
TMS TRIMURTI MEDICAL
अजय ज्याणी (फतेहाबाद)
8905151415

डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं
NAVAL AGRAWAL
AJAY
SURGICAL COMPANY
Shop No. 6 & 11, Mahalaxmi Market,
Near Mayur Complex Film Colony
Nehru Bazar, Jaipur
Mob - 9829010815, 9929098815

डॉक्टर्स - डे की हार्दिक शुभकामनाएं
राज कान नाक गला अस्पताल
RAJ ENT HOSPITAL
मॉडर्न तकनीक. सटीक उपचार.
RGHS पंजीकृत हॉस्पिटल
Cochlear इंप्लांट
कान का बिना चीरे के ऑपरेशन की सुविधा
कैंसर का इलाज
कैशलेस उपचार की सुविधा
एस एफ एस चौराहा, बी-2 बाईपास रोड़, मानसरोवर, जयपुर
0141-4921093
7412012012

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभमानाएं
डॉ. अरविन्द शर्मा
एम.एस.एम., सीएच,
न्यूरो सर्जरी
विशेषज्ञ-ब्रेन एवं स्पाइन सर्जन
आचार्य : सवाई मानसिंह चिकित्सालय, जयपुर
निवास : 25, गंगवाल पार्क, जे.के. लॉन अस्पताल के पीछे
एस.एम.एस. अस्पताल के पास, जयपुर

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभमानाएं
डॉ. दीपक गुप्ता
M.B.B.S. M.D. (Paediatrics)
MIAP, MIMA, NDDY
मंगलम सिटी गेट के पास, जयपुर रोड, चौमूं बाईपास तिराहा, राधास्वामी बाग,चौमूं मो. +91-9351611510

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभमानाएं
DR. SURENDRA ABUSARIA
M.D. (Phys. Medicine & Rehabilation C.Ac., China)
SENIOR CONSULTANT
PHYSICAL MEDICINE & REHABILITATION
Fortis Escort Hospital, Jaipur
Shalby Hospsital, Jaipur
SPECIALISATION
Orthopaedic Neurological Rehabilitation | Acupuncture
A-3, Hari Nagar, Vidyadhar Nagar Road, Shastri Nagar, Jaipur 0141-2301271, Mo. 9414262899, 9928008600

Dr. Pushkar Gupta
MD (Med.), DM, DNB (Neuro)
Consultant
Neurologist
C.K. BIRLA Hospital
Resi : A-13, Jai Jawan-1, Tonk Road, Durgapura. Jaipur
Mo : 9828020015

डॉक्टर्स-डे की हार्दिक शुभमानाएं
DR. RAKESH KALRA
SECRETARY,
Private Hospital and Nursing Home Society
SFS sector 1 , Manasarovar,
Agarwal Farm, jaipur

पाइल्स हॉस्पिटल
पाइल्स (बवासीर) व अन्य गुदारोगों का अस्पताल
A DAY CARE ANOREACTAL SURGERY CENTRE
डॉ. दिनेश शाह वरिष्ट पाइल्स एवं गुदा रोग विशेषज्ञ M.S., FAIS, FIAGES, FACRSI
डॉ. अंशुल शाह मो. 8209632767
6/64, विद्याधर नगर, जयपुर
फोन - 0141-2334959

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रमन अग्रवाल द्वारा 170/ 3, रामगली राजापार्क के लिए जयपुर से प्रकाशित एवं मोहन शर्मा एंड कंपनी प्रा. लि., ए-10, सुदर्शनपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर से मुद्रित। सम्पादक : रमन अग्रवाल, सह सम्पादक - मीना अग्रवाल, 9829066272